OPTIMUM
INTERNATIONAL SCHOOL

CLASS –VII

Hindi. **Date:-22/04/2020**

- **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।**
  (पाठ-1) के आधार पर।

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(क) 'जब सारी दुनिया मेरा उपहास करेगी'–पंक्ति के पीछे कवि का क्या भाव है?

(ख) संकट से घिरे व्यक्ति का संसार क्यों उपहास उड़ाता है?

(ग) कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।

5. नीचे दी गई पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

(क) यह वर दे कि–

'मैं दीनता स्वीकार करके अवश न बनूँ।'
संसार के अनिष्ट, अनर्थ और छल-कपट ही
मेरे भाग्य में आए हैं,
तो भी मेरा अंतर इन प्रतारणाओं के प्रभाव से
क्षीण न हुआ,

(ख) 'मेरा भार हलका कर दे',
यह याचना पूर्ण होने की सांत्वना नहीं चाहता,
'यह भार वहन करके चलता रहूँ' – यही प्रार्थना है।
सुख भरे क्षणों में नतमस्तक हो तेरे दर्शन कर सकूँ।

- **16/04/20 को दिये गए प्रश्नों के उत्तर यहां से मिलान करें:-**

पाठ-अभ्यास के उत्तर

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) कवि ने ईश्वर से विपत्तियों से रक्षा करने की बात कही है।
   (ख) कवि ईश्वर से यह वरदान माँग रहे हैं कि वे विपत्तियों से भयभीत न हों।
   (ग) 'प्रार्थना' कविता का एक अन्य शीर्षक हो सकता है।
   (घ) कवि उस दीनता की बात कर रहे हैं जिसे स्वीकार करके इंसान अपने आपको प्राय: लाचार महसूस करता है।

लिखित

1. (क) मनुष्य में कर्मठता और संघर्षशीलता पैदा करना (✓)
   (ख) अनिष्ट, अनर्थ और छल-कपट (✓)
   (ग) संकट-सागर में (✓)
2. (क) कवि ईश्वर से यह प्रार्थना करता है कि मैं जीवन में आने वाली प्रत्येक विपदाओं पर विजय पाऊँ।
   (ख) कवि दुखों पर विजय पाने के लिए ईश्वर से आशीर्वाद माँगता है।
   (ग) यह कविता ईश्वर को संबोधित करके लिखी गई है।
3. (क) इस पंक्ति के माध्यम से कवि ईश्वर से ऐसी शक्ति प्राप्त करने की आकांक्षा प्रकट करता है, जिससे वह विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में अपने आपको लाचार महसूस न करे।
   (ख) कवि ईश्वर से अपने दुख से व्यथित मन को सांत्वना देने की भिक्षा नहीं चाहता।
   (ग) प्रस्तुत कविता में कवि लोगों को जीवन में कर्मठ बने रहने और स्वतंत्रतापूर्वक हर परिस्थिति में डटकर निरंतर संघर्ष करते रहने की सीख देते हैं। विपत्तियाँ मनुष्य के बल, बुद्धि, साहस और कार्य-कुशलता के लिए कसौटी के समान हैं।

**Link of Optimum Online E-Learning Platform:- www.optimumschool.net/online
In case of any query call at +91-9818033213